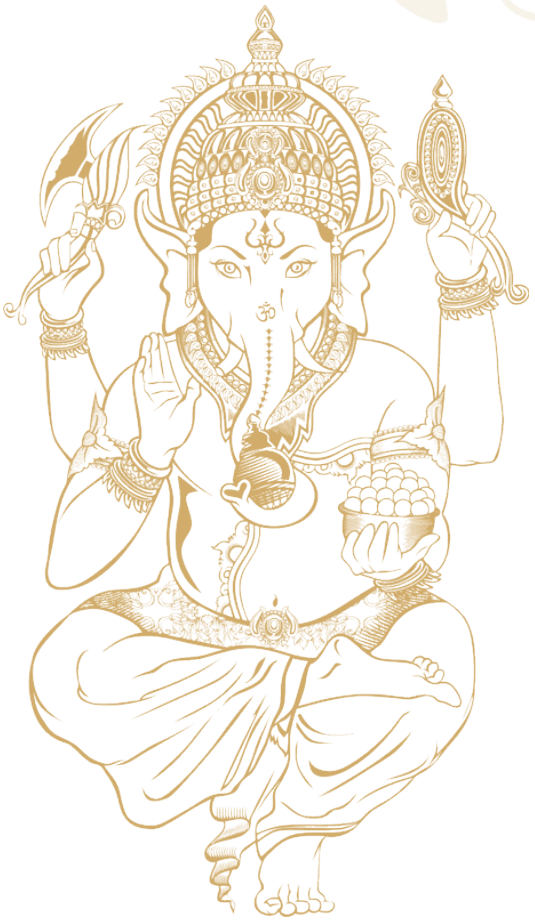

01 Feb 2026

02:41 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121135505

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**14:41:00 घंटे**
इष्ट	18:48:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:19:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:33 घंटे
साम्पातिक काल	23:06:14 घंटे
सूर्योदय	07:09:37 घंटे
सूर्यास्त	18:00:08 घंटे
दिनमान	10:50:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:17:23 मकर
लग्न के अंश	06:01:03 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:01:03	330:34:51	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			मक	18:17:23	01:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	11:10:04	14:16:11	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	स्वराशि
मंगल		अ	मक	12:48:14	00:46:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	25:55:37	01:46:06	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:05:41	00:06:39	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	24:26:04	01:15:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:27:18	00:05:56	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:52:23	00:03:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:52:23	00:03:15	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:22	00:00:09	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:55:37	00:01:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:29:08	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	21:10:44	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

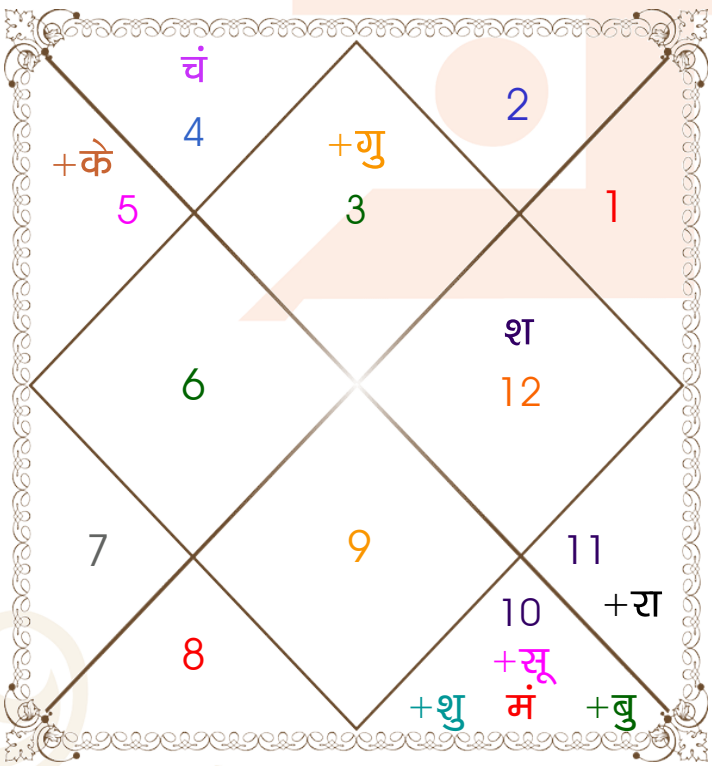

चन्द्र कुंडली

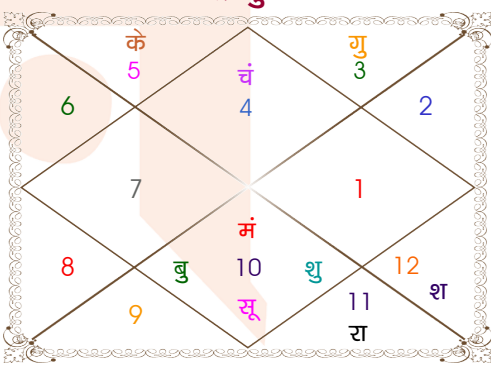

नवमांश कुंडली

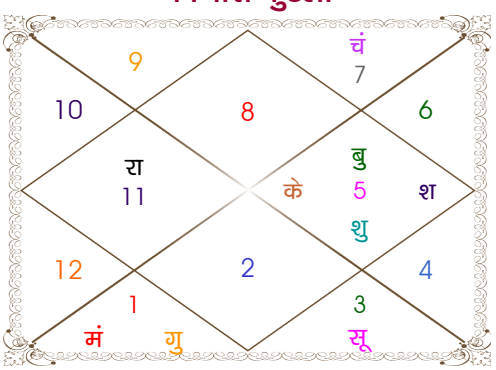

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 10 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/02/2026		03/12/2033		03/12/2050		03/12/2057		03/12/2077	
03/12/2033		03/12/2050		03/12/2057		03/12/2077		04/12/2083	
	00/00/0000	बुध	01/05/2036	केतु	02/05/2051	शुक्र	04/04/2061	सूर्य	23/03/2078
	00/00/0000	केतु	28/04/2037	शुक्र	01/07/2052	सूर्य	04/04/2062	चंद्र	21/09/2078
	00/00/0000	शुक्र	27/02/2040	सूर्य	05/11/2052	चंद्र	04/12/2063	मंगल	27/01/2079
	00/00/0000	सूर्य	02/01/2041	चंद्र	07/06/2053	मंगल	02/02/2065	राहु	22/12/2079
	01/02/2026	चंद्र	04/06/2042	मंगल	03/11/2053	राहु	02/02/2068	गुरु	09/10/2080
चंद्र	07/06/2027	मंगल	01/06/2043	राहु	21/11/2054	गुरु	03/10/2070	शनि	21/09/2081
मंगल	16/07/2028	राहु	18/12/2045	गुरु	28/10/2055	शनि	03/12/2073	बुध	29/07/2082
राहु	23/05/2031	गुरु	25/03/2048	शनि	06/12/2056	बुध	03/10/2076	केतु	03/12/2082
गुरु	03/12/2033	शनि	03/12/2050	बुध	03/12/2057	केतु	03/12/2077	शुक्र	04/12/2083

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/12/2083		03/12/2093		04/12/2100		04/12/2118		04/12/2134	
03/12/2093		04/12/2100		04/12/2118		04/12/2134		00/00/0000	
चंद्र	03/10/2084	मंगल	01/05/2094	राहु	17/08/2103	गुरु	22/01/2121	शनि	07/12/2137
मंगल	04/05/2085	राहु	20/05/2095	गुरु	10/01/2106	शनि	05/08/2123	बुध	16/08/2140
राहु	03/11/2086	गुरु	25/04/2096	शनि	16/11/2108	बुध	10/11/2125	केतु	25/09/2141
गुरु	04/03/2088	शनि	03/06/2097	बुध	05/06/2111	केतु	17/10/2126	शुक्र	25/11/2144
शनि	03/10/2089	बुध	01/06/2098	केतु	22/06/2112	शुक्र	17/06/2129	सूर्य	07/11/2145
बुध	05/03/2091	केतु	28/10/2098	शुक्र	23/06/2115	सूर्य	05/04/2130	चंद्र	02/02/2146
केतु	04/10/2091	शुक्र	28/12/2099	सूर्य	17/05/2116	चंद्र	05/08/2131		00/00/0000
शुक्र	03/06/2093	सूर्य	05/05/2100	चंद्र	16/11/2117	मंगल	11/07/2132		00/00/0000
सूर्य	03/12/2093	चंद्र	04/12/2100	मंगल	04/12/2118	राहु	04/12/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 10 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।